सोदान प्रजापत, तीसरी, चन्देसरा,
शिक्षा प्रोत्साहन केन्द्र, उज्जैन

आमिर, चौथी, खो नागोरीया, जयपुर

च से सुनो पोयम

चाचा लाए चाकू
काटे वो आलू
चाची बैठी मेज़ पर
खाने को कचालू

सौरभ सिंह, पाँच वर्ष, फैज़ाबाद, उ.प्र.

बिल्ली गई दिल्ली

बिल्ली गई दिल्ली
दिल्ली में था बन्दर
लालकिले के अन्दर
बन्दर ने दी मूँगफली
बिल्ली लेकर उसे चली।
रास्ते में था भालू
भालू बोला - मैं खा लूँ
बिल्ली बोली झट म्याऊँ
बिल्ली ने मारा पंजा
भालू हो गया गंजा।

लक्ष्मी गौड़, छठी, कानपुर, उ.प्र.

सालभर

काश कि
स्कूल न होता
या किसी गाड़ी पर चढ़
भाग जाता दूर
स्वर्ग में पड़ा रहता
या किसी नर्क में
खूब सज़ा पाता
पर क्या फायदा
सपने लेने का?

या फिर काश कि
स्कूल में
छुट्टियाँ ही रहतीं
कि गर्मियाँ
कभी खत्म न होतीं
मत पूछो कि क्यों
बस साल भर
छुट्टियाँ ही रहतीं

बोलो कितना अच्छा होता!

पर मौसम पर
हमारा क्या वश?
हम सोचते ही रहेंगे
कि खुदा हमारी मान ले
और साल भर
छुट्टियाँ ही रहें।

अँग्रेज़ी से अनुवादः रुस्तम व लाल्टू
लिज़ा ज़िल ब्राउन, कक्षा चौथी
संयुक्त राष्ट्र संघ के संकलन से साभार

दही हण्डी का खेल

मैं अपने बाबा के साथ डेक्कन चौक में दही हण्डी का कार्यक्रम देखने गई थी। वहाँ बहुत भीड़ थी। ज़ोर-ज़ोर से गोविन्दा आला रे आला..... यह गाना बज रहा था। कुछ लोग छोटे-बड़े घर की छत, गैलरी में तो कुछ पेड़ पर चढ़कर कार्यक्रम देख रहे थे। मैं दुकान के कट्टे पर खड़ी थी। दही हण्डी फोड़ने के लिए बच्चे एक के ऊपर एक खड़े होते थे। ऊपर जाते-जाते बीच में ही गिर पड़ते, फिर चढ़ते। दही हण्डी बहुत ऊपर बाँधी थी। बहुत देर बाद लाल टी-शर्ट वाले ग्रुप ने हण्डी फोड़ी। सब लोग तालियाँ बजाने लगे। नाचने लगे। मैंने भी बहुत तालियाँ बजाईं।

शिवानी प्रकाश लालगे, पहली, सतारा, महाराष्ट्र (मराठी से अनुवाद - शुभांगी तावरे)

मंजू, चौथी, शिक्षा प्रोत्साहन केन्द्र नरवर, म. प्र.

रामू और मछली

हमारे गाँव में रामू नाम का एक छोटा-सा लड़का है जो चौथी में पढ़ता है। रोज़ सुबह स्कूल जाने से पहले वह तालाब पर जाकर मछली पकड़ता है और बाज़ार में जाकर उनको बेचता है। उसको मछली खाना बहुत पसन्द है फिर भी वह खाता नहीं है क्योंकि मछली बेचकर पैसे मिलते हैं और उसी पैसे से वह किताबें खरीदता है और स्कूल की फीस देता है क्योंकि उसके माँ-पिताजी उसको पढ़ाने के लिए मना करते हैं और रामू को पढ़ना है और कुछ बनना है।

आशीष कुमार, सातवीं, अमरावती, महाराष्ट्र